अमर उजाला

राजधानी वर्ष 11 | अंक 62 | पृष्ठ : 22+8+4+4= 38 | मूल्य : चार रुपये लखनऊ • 7 राज्य • 1 केंद्रशासित प्रदेश • 20 संस्करण

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं
राखी बांधने का मुहूर्त
शाम 4:16 बजे तक उत्तम योग
कई सालों के बाद आज दिनभर भद्रा नहीं

हरित भवनों के निर्माण से घटेगी ऊर्जा की खपत

हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा पर आयोजित संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने दी सलाह

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। तेल, गैस और कोयले का भंडार रोजाना कम होता जा रहा है। वहीं शहरीकरण बढ़ने से ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। ऐसे में विकास के अनियोजित मॉडल के चलते प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन तो हो ही रहा है, प्रदूषण से भी निजात नहीं मिल रही है। यह कहना है टेक्निकल एसोसिएट्स के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक विष्णु अग्रवाल का। वह शनिवार को द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के प्रदेश स्टेट सेंटर की ओर से निर्माण में हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा विषयक संगोष्ठी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में पैदा हो रही 60 फीसदी बिजली का प्रयोग भवनों में हो रहा है। ऐसे में हम प्राकृतिक नियमों का प्रयोग कर हरित भवनों का निर्माण कर सकते हैं। ऐसे भवन सूर्य के प्रकाश, हवा, हरियाली का भरपूर उपयोग कर ऊर्जा प्राप्त करते हैं। हमें घरों की बनावट ऐसी रखनी चाहिए कि ऊर्जा की कम जरूरत पड़े। विष्णु अग्रवाल ने कहा कि प्रदूषण मुक्त पर्यावरण के लिए हरित ऊर्जा आज की जरूरत है। देश में जब शहरीकरण 30 फीसदी तक बढ़ गया है तो ऐसे में हरित ऊर्जा पर ध्यान देना और भी जरूरी हो गया है। मुख्य वक्ता प्रो. ऊषा बाजपेई ने कहा कि इस समय पैदा हो रहे ऊर्जा संकट ने सभी को इसके उचित प्रयोग के बारे में सोचने को मजबूर कर दिया है। उन्होंने हरित भवनों के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. भरत राज सिंह, मानद सचिव आरके त्रिवेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इंस्टीट्यूशंन ऑफ इंजीनियर्स भवन में संगोष्ठी में मौजूद विशेषज्ञ। अमर उजाला

30% बढ़ा है देश में शहरीकरण

60% बिजली की खपत भवनों में हो रही